ISSN 2348-2796

सांस्कृतिक प्रवाह
शोध पत्रिका

SANSKRITIK PRAVAH
Research Journal

वर्ष 12 अंक 1 फरवरी, 2025

Bi-annual Bi-lingual

A Multi Disciplinary Peer Reviewed (Refereed) Research Journal Dedicated to Socio-Cultural Harmony.

अखिल भारतीय संस्कृति समन्वय संस्थान, जयपुर (राज.)

Akhil Bhartiya Sanskriti Samanvaya Sansthan, Jaipur, Rajasthan

www.sanskritikpravah.com

Subscription Rate

Institution & Library	-	Rs. 2200 (5 years)	Rs. 6000 (15 years)
Individuals (Rajasthan)	-	Rs. 1000 (5 years)	Rs. 2700 (15 years)
(Out of Rajasthan)	-	Rs. 1100 (5 years)	Rs. 3000 (15 years)
Single Copy	-	Rs. 125/-	

Subscription may be sent by cheques/drafts drawn in favour of
Akhil Bhartiya Sanskriti Samanvaya Sansthan

The responsibility for the facts stated, opinions expressed or conclusions reached is entirely that of the authors / contributors and the **'Sanskritik Pravah' Research Journal** accepts no responsibility for them.

Correspondence and Contact

सांस्कृतिक प्रवाह

बी-19, मधुकर भवन, न्यू कॉलोनी, जयपुर-302001

E-mail : editor.sprj@gmail.com

: ramsjaipur@gmail.com

website : www.sanskritikpravah.com

Contact : 0141-4038590 (4 PM Onwards), 094143-12288 (Chief Editor)
094600-70031(Editor)

Published by : Akhil Bhartiya Sanskriti Samanvaya Sansthan, Jaipur, Rajasthan (India)
B-19, Madhukar Bhawan, New Colony, Jaipur-302001

Printed at : Pinkcity Book Manufactures, Kukas, Jaipur

ISSN 2348-2796

सांस्कृतिक प्रवाह

शोध पत्रिका

वर्ष 12 अंक 1 फरवरी 2025

अर्द्धवार्षिक द्वि-भाषी

सामाजिक एवं सांस्कृतिक समन्वय के लिए समर्पित एक बहु-विषयात्मक सहकर्मी समीक्षित (Peer Reviewed) शोध पत्रिका

website : www.sanskritikpravah.com

अखिल भारतीय संस्कृति समन्वय संस्थान

बी-19, मधुकर भवन, न्यू कॉलोनी, जयपुर-302001

Sanskritik Pravah Research Journal

Patron

Sh. Ramprasad
Social Worker & Guardian, Akhil Bhartiya
Sanskriti Samanvaya Sansthan, Jaipur (Raj.)

Editorial Advisory Board

Prof. Alpana Kateja
Vice Chancellor,
University of Rajasthan, Jaipur (Raj.)

Dr. Kuldeep Chand Agnihotri
Ex Vice Chancellor, Central University of
Himachal Pradesh, Dharamshala (H.P.)

Prof. M. L. Chhipa
Ex Vice Chancellor,
A.B. Vajpayee
Hindi University, Bhopal (M.P.)

Dr. Bhagwati Prasad Sharma
Ex Vice Chancellor, Gautam Buddha University,
Greater Noida (U.P.)

Prof. J. P. Sharma
Ex Vice Chancellor,
MLS University, Udaipur (Raj.)

Prof. Bhagirath Singh
Ex Vice Chancellor,
Pandit Deen Dayal Upadhyay University,
Sikar (Raj.)

Prof. Vibha Upadhyay
Ex Head, Department of History and
Indian Culture, University of Rajasthan, Jaipur

Dr. Shreerang Godbole
Endocrinologist, Social Worker & Writer,
Pune (Maharastra)

Managing Editor

Dr. Ram Karan Sharma
Ex Principal & Head,
Deptt. of Law and Management,
NIMS University, Jaipur (Raj.)
H-28, Haldighati Marg,
Jaipur-302018

Chief Editor

Sh. Ram Swaroop Agrawal
Ex Principal, Govt. Law College,
Kota & Sriganganagar (Raj.)
72/25, Patel Marg, Mansarovar, Jaipur-302020
E-mail : ramsjaipur@gmail.com
Mobile : 09414312288

Editor

Dr. Gopal Sharan Gupta
Secretary,
Jan Kalyan Sansthan, Jaipur
E-mail : gsgupta1960@gmail.com
Mobile : 09460070031

Associate Editor

Dr. Indrajeet Bhattacharya
Founder-Owner & Independent Researcher,
Echos of India, Jaipur
E-mail : ibhattacharya@sanskritikpravah.com
Mobile : 09571806910

Editorial Board

Dr. Sunil Asopa
Professor, Deptt. of Law,
J.N.V. University, Jodhpur
61-B, Laxmi Nagar, Jodhpur-324006,
E-mail : sunasopa@gmail.com,
Mobile : 09414294406

Dr. Suraj Rao
Deputy Registrar
MDS University, Ajmer (Raj.)
E-mail : suraj1973@gmail.com
Mobile : 94602 46641

Dr.Pramila Dubey
Former Dean, Faculty of Education
(University of Rajasthan) , Principal,
SSG Pareek P.G. College of Education, Banipark, Jaipur
Mobile : 09413156597

Dr Kailash Chand Gurjar
Assistant Professor, Deptt. of History,
M.L.S. University, Udaipur(Raj)
W- 6 , Nehru Hostel, Hiran Magari,
Sector -3, Udaipur-313001
E-mail : kailashchand191977@gmail.com
Mobile : 09929089995

Dr. Jayanti Lal Khandelwal
Assistant Professor,
Apex University, Jaipur (Raj.)
Email : jl1974khandelwal@gmail.com
Mobile : 9314640220

About Contributors of this issue

1. **शिव कुमार गौतम**

   शिव कुमार गौत्तम वर्तमान में श्री स्वरूप गोविन्द स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय में सहायक आचार्य पद पर कार्यरत हैं। शैक्षणिक उपलब्धि में गणित, मनोविज्ञान एवं शिक्षा में स्नातकोत्तर तथा शिक्षा में यू.जी.सी. नेट की उपाधि प्राप्त की है। वर्तमान में शिक्षाशास्त्र में राजस्थान विश्विद्यालय से पीएच.डी. शोध कार्य कर रहे हैं।

2. **श्रीमती सुमन देवी शर्मा**

   एस.एस.जी पारीक स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय में सहायक आचार्य के पद पर कार्यरत हैं।

   आपके कई शोध पत्र प्रकाशित हैं।

3. **प्रिया सैनी**

   एम.ए. इतिहास प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण। एम.फिल. जैन अध्ययन में 2015 में तथा नेट परीक्षा 2014 में उत्तीर्ण की। वर्तमान में शोधार्थी हैं।

4. **डॉ. शालिनी चतुर्वेदी**

   सह आचार्य लोक प्रशासन विभाग राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर। 26 वर्षों का शैक्षणिक अनुभव। 15 से अधिक पुस्तकों का लेखन एवं प्रकाशन हुआ है। 150 से अधिक लेखों का राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जनरल में प्रकाशन हो चुका है। 250 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस, सेमिनार में पत्र वाचन किये हैं।

5. **डॉ. आरती शर्मा**

   एम.ए. (हिन्दी) एम.एड.,पीएच.डी. (शिक्षा शास्त्र) 17 वर्ष का शिक्षक अनुभव, अनेक शोध पत्रिकाओं में शोध पत्रों का प्रकाशन, अनेक पुस्तकों में लघु लेखों का प्रकाशन।

6. **डॉ. रुचिका सैनी**

   डॉ. रुचिका सैनी ने भारतीय इतिहास व संस्कृति में पीएच.डी. की है और इतिहास में ही यू.जी.सी. नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की है। वह अभी सोशल रिसर्च फाउंडेशन, कानपुर की एडिटोरियल बोर्ड मेंबर हैं, और भारतीय इतिहास, पुरातत्व, संग्रहालय विज्ञान और फोक कल्चर स्टडीज़ के क्षेत्र में शैक्षणिक शिक्षण और शोध में लगी हुई हैं। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय पीयर-रिव्यूड जर्नल्स में सात शोध पत्र प्रकाशित किए हैं और संपादित पुस्तकों में दो अध्याय लिखे हैं। उन्होंने कई शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं और पंद्रह शैक्षणिक संगोष्ठी और सम्मेलन में हिस्सा लिया है।

7. Sooraj Rajendran

   First author, Mr. Sooraj Rajendran : Mr Sooraj Rajendran currently serves as an Assistant Professor and Research Scholar at Amrita Darshanam Department , School of Spiritual and Cultural Studies, Amrita Vishwa Vidyapeetham, Amritapuri Campus.

8. **Dr. Arvind S Kaushik**

Second author, Dr. Arvind S Kaushik: Dr. Arvind S Kaushik currently serves as an Assistant Professor at the School of Spiritual and Cultural Studies, Amrita Vishwa Vidyapeetham, Amritapuri Campus. He has completed his PhD in Philosophy and Religious Studies from University of Pardubice, Czech Republic.

9. Br. Achyutamrita Chaitanya

Third Author, Br. Achyutamrita Chaitanya : Br. Achyutamrita Chaitanya (PhD) currently serves as the Principal at the School of Spiritual and Cultural Studies, Amrita Vishwa Vidyapeetham, Amritapuri Campus.

10. **तन्मय भट्टाचार्य**

महाविद्यालय में सामाजिक विज्ञान समूह में सर्वश्रेष्ठ शोध प्रबंध के पुरस्कार से सम्मानित, हिंदी, अंग्रेजी एवं बंगाली भाषा का ज्ञान। फ्रांसिसी, रूसी एवं स्वीडिश भाषाओं का बुनियादी ज्ञान। ब्राह्मी एवं शारदा लिपि में कुशल।

सम्प्रति : लखनऊ विश्वविद्यालय से प्राचीन भारतीय इतिहास व पुरातत्व में स्नातक, पुरातत्व में यू.जी.सी. नेट उत्तीर्ण, न्यायिक एवं बायो पुरातत्व में डिप्लोमा, इग्नू से कंप्यूटर में डिप्लोमा।

11. **डॉ. सुजीत सरोच**

डॉ सुजीत सरोच एक सुप्रसिद्ध समाजशास्त्री, जनसांख्यिकीविद्, राजनीतिशास्त्री तथा प्रोफेशनल सामाजिक कार्यकर्ता हैं। उन्होंने पिछले लगभग तीन दशकों के दौरान हिमाचल प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत सरकारी महाविद्यालयों में समाजशास्त्र के आचार्य के रूप में कार्य किया तथा स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य के रूप में अपनी सेवाएँ दीं। उन्होंने भारत तथा कई देशों में राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में एक सौ से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किये तथा तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता की, विभिन्न विषयों पर दो दर्जन पुस्तकें लिखीं तथा अठारह राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों का सफल आयोजन किया जिनमें विश्व के सभी 6 महाद्वीपों के उच्च स्तरीय प्रतिभगियों ने व्यक्तिगत रूप से अपने शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया। Karate में 5 डिग्री ब्लैक बेल्ट डॉ. सरोच अंतर्राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता व अंतर्राष्ट्रीय जज हैं जिन्हें विश्व की तीसरी सर्वोच्च उपाधी 'रेंशी' से भी नवाजा गया है।

अनुक्रमणिका/ CONTENTS

		पृष्ठ संख्या
	संपादकीय ...	8
1.	**सरना धर्म के लिए प्रकृति पूजा एक वरदान**	9
	– शिव कुमार गौतम एवं श्रीमती सुमन देवी शर्मा	
2.	**भारतीय संस्कृति में जैन धर्म का योगदान**	17
	– प्रिया सैनी	
3.	**भारतीय समाज एवं सनातन संस्कृति : सामाजिक समरसता एवं सद्भाव की पोषक एवं संवाहक**	28
	– डॉ. शालिनी चतुर्वेदी	
4.	**मनुस्मृति में निहित शिक्षा का वर्तमान परिप्रेक्ष्य में विश्लेषण**	36
	– डॉ. आरती शर्मा	
5.	**विराटनगर संग्रहालय के मृद्भाण्ड संग्रह : पूर्वी राजस्थान की सांस्कृतिक परंपराओं का ऐतिहासिक और सामाजिक अध्ययन**	48
	– डॉ. रुचिका सैनी	
6.	**Itihasas as Exemplars: A Study of Indian Stories as a Source of Action Knowledge**	67
	– Sooraj Rajendran	
7.	**Afghanistan's Hindu & Buddhist Heritage**	74
	– Tanmoy Bhattacharya	
8.	**Cultivating spiritual insights in today's youth**	86
	– Sujit Saroch	
●	**Guidelines for authors**	95
●	**Review & Publication Policy, Ethics Policy**	98

संपादकीय

भारतीय संविधान के प्रथम पृष्ठ पर दी गई 'संविधान की उद्देशिका' में भारत के समस्त नागरिकों को 'विश्वास, आस्था (रिलीजन/पंथ) और उपासना की स्वतंत्रता' प्राप्त कराने की घोषणा की गई है। वस्तुत: ऐसी स्वतंत्रता भारत में सृष्टि के आरंभ से ही रही है। विश्व के प्राचीनतम ग्रंथ वेदों में दी गई ईश्वरीय वाणी, मंत्र, स्तुति, यज्ञ-अनुष्ठान, दर्शन आदि के आधार पर जो जीवन पद्धति विकसित हुई, उसे वैदिक धर्म या सनातन कहा गया। प्राचीन वैदिक धर्म, जैन और बौद्ध धर्म से लेकर मध्ययुगीन भक्ति आंदोलन तक समय-समय पर हुए धार्मिक-सामाजिक पुनर्जागरण और सुधारों के परिणाम स्वरूप कई मत-पंथों का उदय होता रहा। शैव, वैष्णव, शाक्त, नाथ संप्रदाय, आर्य समाज, ब्रह्म समाज, दादू पंथी, कबीरपंथी, आदि अनेक मत-संप्रदायों में भारत का शाश्वत चिंतन आवश्यकतानुसार नए कलेवर धारण करता रहा।

देश के विभिन्न भागों में वहाँ की भौगोलिक आवश्यकता तथा संत-मनीषियों के चिंतन-उपदेशों के आधार पर भिन्न-भिन्न देवी-देवता, भिन्न त्योहार, कर्मकांड, भाषा, पहनावा, खानपान आदि का विकास हुआ। यह विविधता भारत की विशेषता है जो भारत को विश्व के अन्य देशों से अलग एक विशिष्ट स्थान प्रदान करती है। संभवत: यही मार्ग विश्व में स्थाई शांति का मार्ग भी है।

भारत के जंगलों-पहाड़ों में निवास करने वाला जनजातीय समाज भारत की इस विशेषता से अछूता नहीं है। उनके प्रतिदिन के जीवन, त्योहार, उपासना आदि में जहाँ प्रकृति का स्थान सर्वोपरि रहता है, वहीं इन सबमें देश के शाश्वत चिंतन और जीवन मूल्यों की झलक भी दिखाई देती है।

इस अंक के एक आलेख में जहाँ भारतीय समाज की सनातन संस्कृति को रेखांकित करने का प्रयास हुआ है, वहीं भारतीय संस्कृति में जैन धर्म के योगदान की छानबीन की गई है। 'सरना धर्म' जैसे जनजातीय प्रकृति पूजक समाज पर भी एक महत्त्वपूर्ण अध्ययन इस अंक में दिया गया है।

रामायण और महाभारत इस देश के दर्शन-चिंतन को समझने के लिए महत्त्वपूर्ण ग्रंथ है। इनमें दी गई विभिन्न कहानियाँ आज भी जीवन के विविध पक्षों में 'निर्णय प्रक्रिया' में सहायक है- ऐसा एक शोधपूर्ण आलेख पाठकों को पढ़ने को मिलेगा। अफगानिस्तान में हिंदू-बौद्ध विरासत पर लिखा गया लेख महत्त्वपूर्ण है।

आशा है, यह अंक पाठकों के लिए रुचिकर और ज्ञानवर्धक सिद्ध होगा।

- रामस्वरूप अग्रवाल

Guideline For Authors

1. Articles should be submitted through e-mail us at editor.sprj@gmail.com or ramsjaipur@gmail.com A hard copy of the same must be sent by post or by hand.
2 The manuscript should be typed in Page Maker or M.S. Word on A4 size paper. For Hindi, use 14 point font size for text, 25 point size for main heading and 15 point font size for sub headings. For English, use 12 point font size for text, 24 point size for main heading and 13 point font size for sub headings. For English, use Times New Roman Font and for Hindi, Devlys 010 or Chanakya Font.
3. All references should be given at the end of the article.
4. For the Citation and References, Guidelines specified in the Publication Manual of the American Psychological Association (6th edition, 2009) must be followed.
5. All acknowledgements if any, should be given at the end of the article and before the references.
6. Care should be taken to avoid spelling error & grammatical mistakes.
7. If 'Slokas' from Sanskrit text are referred in any article, please give their Hindi translation also.
8. The article / research paper shall be published subject to recommendation of referees.
9. Author should furnish their short introduction, mailing address, e-mail and phone / mobile numbers.

Detailed Submission Guideline

1. Manuscript:

The manuscript should be structured as follows:

- Cover page, showing title of the paper, name of author, author's affiliation and institutional address with pin code, email id and a 200–250 word abstract.
- Authors' names and references should not be used in the text in order to keep authors' anonymity (e.g., 'as the author has written elsewhere' should be avoided). In case there are two or more authors, then corresponding author's name and address details must be clearly specified on the first page itself.
- The contributors should also provide 4–5 keywords for online search.
- Text should start on a new page, and must not contain the names of authors.
- References should come at the end of the manuscript.
- Tables and figures should be provided in editable format and should be referred to in the text by number separately (e.g., Table 1) not by placement (e.g., see Table below). They should each be submitted on a separate page following the article, numbered and arranged as per their references in the text. They will be inserted in the final text as indicated by the author. Source citations with tables and figures are required irrespective of whether or not they require permissions.
- Figures, including maps, graphs and drawings, should not be larger than page size. They should be numbered and arranged as per their references in the text. All photographs and scanned images should have a resolution of minimum 300 dpi and 1500 pixels and their format should be TIFF or JPEG. Permissions to reprint should be obtained for copyright protected photographs/images. Even for photographs/images available in the public domain, it should be clearly ascertained whether or not their reproduction requires permission for purposes of publishing. All photographs/scanned images should be provided separately in a folder along with the main article.
- Mathematical formulae, methodological details etc. should be given separately as an appendix, unless their mention in the main body of the text becomes essential.

2. Language

a. The language and spellings used should be British (U.K.), with 's' variant, e.g., globalisation instead of globalization, labour instead of labor. For non-English and uncommon words and phrases, use italics only for the first time. Meaning of non-English words should be given in parenthesis just after the word when it is used for the first time.

b. Articles should use non-sexist and non-racist language.

c. Spell out numbers from one to ninety nine, 100 and above to remain in figures. However, for exact measurement (e.g., *China's GDP growth rate 9.8 per cent*) use numbers. Very large round numbers, especially sums of money, may be expressed by a mixture of numerals and spelled-out numbers (*India's population 1.2 billion*).

d. Single quotes should be used throughout. Double quote marks are to be used within single quotes. Spellings of words in quotations should not be changed. Quotations of 45 words or more should be separated from the text.

e. Notes should be numbered serially and presented at the end of the article. Notes must contain more than a mere reference.

f. Use 'per cent' instead of % in the text. In tables, graphs etc, % can be used. Use '20th century', '1990s'.

g. Only the first word of title and subtitle should start with capitals. Although proper names are capitalised, many words derived from or associated with proper names, as well as the names of significant offices are lowercased. While the names of ethnic, religious and national groups are capitalised (*the Muslims, the Gurkhas, the Germans*), designations based loosely on colour (*black people*) and terms denoting socio-economic classes or groups (*the middle class, the dalits, the adivasis, the african-american*) are lowercased. All caste, tribe and community names (*the Santhals, the Jatavs*) are to be capitalised but generic terms (*the kayasths*) are to be lower cased. Civil, military, religious, and professional titles (*the president*) and institutions (*the parliament, the united nations*) are to be put in lower case, but names of organisations (*the Labour Party, the Students Federation of India*) are to be capitalised. The names of political tendencies (*the marxists, the socialists*) should remain in lower case.

h. Abbreviations are spelled out at first occurrence. Very common ones (*US, GDP, BBC*) need not be spelled out. Other commonly used abbreviations (*am, pm, cm, kg, ha*) can be used in lower case, without spaces.

3. Citations and References

Guidelines specified in the *Publication Manual of the American Psychological Association* (6th edition, 2009) must be followed.

References:

- A consolidated listing of all books, articles, essays, theses and documents referred to (including any referred to in the tables, graphs and maps) should be provided at the end of the article.
- Arrangement of references: Reference list entries should be alphabetized by the last name of the first author of each work. In each reference, authors' names are inverted (last name first) for all authors (first, second or subsequent ones); give the last name and initials for all authors of a particular work unless the work has more than six authors.
- If the work has more than six authors, list the first six authors and then use et al. after the sixth author's name.
- Chronological listing: If more than one work by the same author(s) is cited, they should be listed in order by the year of publication, starting with the earliest.
- Sentence case: In references, sentence case (only the first word and any proper noun are capitalized – e.g., 'The software industry in India') is to be followed for the titles of papers,

books, articles, etc.

- Title case: In references, Journal titles are put in title case (first letter of all words except articles and conjunctions are capitalized – e.g., Journal of Business Ethics).
- Italicize: Book and Journal titles are to be italicized.

Some examples are given below:

In-text citations:

- One work by one author: (Kessler, 2003, p. 50) or 'Kessler (2003) found that among the epidemiological samples...'
- One work by two authors: (Joreskog & Sorborn, 2007, pp. 50–66) or Joreskog and Sorborn (2007) found that..
- One work by three or more authors: (Basu, Banerji & Chatterjee, 2007) [first instance]; Basu et al. (2007) [Second instance onwards].
- Groups or organizations or universities: (University of Rajasthan, 2007) or University of Rajasthan (2007).
- Authors with same surname: Include the initials in all the in-text citations even if the year of publication differs, e.g., (I. Light, 2006; M.A. Light, 2008)
- Works with no identified author or anonymous author: Cite the first few words of the reference entry (title) and then the year, e.g., ('Study finds', 2007); (Anonymous, 1998).
- If abbreviations are provided, then the style to be followed is: (National Institute of Mental Health [NIMH], 2003) in the first citation and (NIMH, 2003) in subsequent citations.
- Two or more works by same author: (Gogel, 1990, 2006, in press)
- Two or more works with different authors: (Gogel, 1996; Miller, 1999)
- Secondary sources: Allport's diary (as cited in Nicholson, 2003).
- Films: (Name of the Director, Year of release)

References:

Books: Patnaik, U. (2007). *The republic of hunger*. New Delhi: Three Essays Collective.

Edited Books: Amanor, K. S., & Moyo, S. (Eds.) (2008). *Land and sustainable development in Africa*. London/New York: Zed Books.

Translated books: Amin, S. (1976). *Unequal development* (trans. B. Pearce). London and New York: Monthly Review Press.

Book chapters: Chachra, S. (2011). *The national question in India. In S. Moyo and P. Yeros* (Eds), Reclaiming the nation (pp. 67–78). London and New York: Pluto Press.

Journal articles: Foster, J. B. (2010). The financialization of accumulation. *Monthly Review*, 62(5), 1-17.

Newsletter article, no author: Six sites meet for comprehensive anti-gang intiative conference. (2006, November / December). *OOJDP News @ a Glance*. Retrieved from http://www.ncrjs.gov/html

[Please do not place a period at the end of an online reference.]

Newspaper article: Schwartz, J. (1993, September 30). Obesity affects economic, social status. *The Washington Post*, pp. A1, A4.

In-press article: Briscoe, R. (in press). Egocentric spatial representation in action and perception. Philosophy and Phenomenological Research. Retrieved from http://cogprints.org/5780/1/ECSRAP.F07.pdf

Non-English reference book, title translated into English: Real Academia Espanola. (2001). *Diccionario de la lengua espanola* [Dictionary of the Spanish Language] (22nd ed.). Madrid, Spain: Author.

Special issue or section in a journal: Haney, C., & Wiener, R. L. (Eds.) (2004). Capital punishment in the United States [Special Issue]. *Psychology, Public Policy, and Law*, 10(4), 1-17.

Review & Publication Policy

1. There is a board of eminent scholars of various discipline to review the quality of research articles. Articles received for publication are sent to these reviewers. They go through and evaluate the articles. All traces of author's identity are removed from the article before it is sent to the reviewer.
2. Only original and unpublished articles are accepted for publication fulfilling norms of research methodology.
3. We do not accept any charges for submission and publication of articles.
4. It is a multidisciplinary journal dedicated to Socio-Cultural Harmony. Thus, articles for publication are preferred on any subject mentioned in the Thrust Area (See at page no. 102).
5. The responsibility for the facts stated, opinions expressed or conclusions reached is entirely that of the authors / contributors and do not necessarily represent the views of the editor. The 'Sanskritik Pravah' accepts no responsibility for them.
6. The submitting author shall be informed about the selection of the article by e-mail only. Articles not accepted for publication will not be returned to the authors.
7. The article must be accompanied with an understanding that the same has not been published elsewhere and is not under review by another publication.
8. The article shall be published subject to recommendation of referees.

Ethics Policy

1 Fabrication or falsification of data with the intent to mislead is unethical as is thetheft & copy of contents from others.
2. Research papers are accepted on the understanding that their contents are original and unpublished and not submitted for publication any where else. A certificate to this effect should accompany with the article.
3. Reproducing text from other papers without properly crediting the source is not acceptable. Authors should acknowledge the work of others used in their research and cite their publications.
4. Articles should not contain any material that is unlawful or defamatory.
5. Articles should use non-sexiest and non-racist language.
6. All those who have made a significant contribution should be cited as authors. Other individuals who have contributed to the work should be acknowledged.
7. The submitting author is responsible for ensuring that the article's publication has been approved by all the other co-authors.
8. The submitting author should ensure :
   - That the work has not been published before (except in the form of an abstract or as part of a published lecture, review or thesis).
   - That the work is not under consideration elsewhere.
   - That the copyright has not been breached in seeking its publications.
   - That the publication has been approved by responsible authorities at the institute or organisation where the work has been carried out.

ISSN 2348-2796

Sanskritik Pravah

(A multi disciplinary refereed research journal dedicated to socio-cultural harmony)

B-19, Madhukar Bhawan, New Colony, Jaipur-302001
e-mail : editor.sprj@gmail.com website : www.sanskritikpravah.com
Contact : 0141-4038590 (4 PM Onwards), 094143-12288 (Chief Editor) 094600-70031(Editor)

Membership Form

1. For Institutions & Individuals :

Name: ....

Office Address : ....

....

Email : ....

Contact No. : .... Mobile : ....

2. For Individuals Only :

Academic Qualification : .... Post Held ....

Postal Address : ....

....

3. Mode of Payment (Please Tick ✓)

A. Cheque / D.D. No. .... Date : ....
(Payble to "**Akhil Bhartiya Sanskriti Samanvay Sansthan**")

B. Deposited in **SBI A/c. No : 38940233966** (Branch : Indira Bazar, Jaipur)

C. Cash/ UPI by Paytm, Bhim, Google Pay Etc.
A/C Name & No . (above) IFSC : SBIN0031403

D. Pay by Paytm, Bhim etc direct to Mobile : 9414312288
(After Payment, please inform Chief Editor or Editor)

Date :

Signature

Subscription Rates (Please Tick ✓)

	Individuals		Institutions	
	5 years	Life Time (15 years)	5 Years	Life Time (15 years)
(Rajasthan)	₹ 1000	₹ 2700	₹ 2200	₹ 6000
(Out of Rajasthan)	₹ 1100	₹ 3000	₹ 2200	₹ 6000

For Office Purpose :

Receipt No. .... Date ....

Cheque/ D.D./ Bank Deposit/ Cash/ Paytm/ Google Pay (₹......................)

Signature

अखिल भारतीय संस्कृति समन्वय संस्थान, जयपुर (राज.)
(सामाजिक अध्ययन एवं शोध केन्द्र)

भारतवर्ष में प्राचीन काल से ही देश के विभिन्न क्षेत्रों की भाषा, वेश-भूषा, खानपान, रीति-रिवाज, त्यौहार आदि भिन्न-भिन्न होते हुए भी सांस्कृतिक जीवन दर्शन की अन्तर्धारा एक ही बनी रही। सभी उपासना पद्धतियाँ या मजहब न केवल एक दूसरे के प्रति सहिष्णु रहे बल्कि सहअस्तित्व की भावना रखते हुए एक दूसरे का सम्मान भी करते रहे। भारतीय संस्कृति की इस धारा को अक्षुण्ण बनाये रखना आज की आधारभूत आवश्यकता है।

इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु अखिल भारतीय संस्कृति समन्वय संस्थान के सामाजिक अध्ययन एवं शोध केन्द्र की स्थापना की गई है।

संस्थान द्वारा सामाजिक समरसता व अन्य संबंधित विषयों पर सेमिनार, कार्यशालाएँ आदि आयोजित की जाती हैं। अनेक पुस्तकों के प्रकाशन के साथ ही यह शोध पत्रिका 'सांस्कृतिक प्रवाह' भी इसी संस्थान द्वारा प्रकाशित की जा रही है।